



श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने पुडुचेरी में "हुनर हाट" के उद्घाटन किया

Posted On: 24 SEP 2017 2:18PM by PIB Delhi

केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा आयोजित "हुनर हाट" 24 से 30 सितम्बर 2017 तक चलेगा

अल्पसंख्यक मंत्रालय देश के सभी हिस्सों में "हुनर हब" बनाने की दिशा में काम कर रहा है, जहाँ दस्तकारों, शिल्पकारों को एक ही परिसर में अपनी सामग्री के प्रदर्शन-बिक्री का मौका मिलेगा: श्री नकवी

हुनर को हौसला और कौशल विकास नए भारत के निर्माण का मजबूत स्तम्भ होगा: श्री नकवी

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने आज यहाँ कहा कि अल्पसंख्यक मंत्रालय देश के सभी हिस्सों में "हुनर हब" बनाने की दिशा में काम कर रहा है, जहाँ दस्तकारों, शिल्पकारों को एक ही परिसर में अपनी सामग्री के प्रदर्शन-बिक्री का मौका मिलेगा साथ ही वर्तमान मार्किट के अनुसार उन्हें अपने सामान बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।

श्री नकवी और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री श्री वी. नारायणसामी ने यहाँ "हुनर के उस्तादों" को मौका-मार्किट मुहैया कराने के लिए केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा लगाए जा रहे "हुनर हाट" का उद्घाटन किया। श्री नकवी ने कहा कि हुनर को हौसला और कौशल विकास नए भारत के निर्माण का मजबूत स्तम्भ होगा।

30 सितम्बर 2017 तक चलने वाला "हुनर हाट", कला-संस्कृति के प्रमुख केंद्र पुडुचेरी के क्राफ्ट बाजार, गांधी थीडल बीच, गोर्बट एवन्यू में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर पुडुचेरी सांसद श्री आर. राधाकृष्णन, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम के अध्यक्ष श्री शहबाज अली एवं अल्पसंख्यक मंत्रालय और पुडुचेरी सरकार के विभिन्न अधिकारी भी उपस्थित रहे।

श्री नकवी ने कहा कि देश भर के अल्पसंख्यक तबकों के दस्तकारों, शिल्पकारों के हस्त निर्मित सामानों की बिक्री के लिए अल्पसंख्यक मंत्रालय ने ई-पोर्टल बनाया है, जहाँ कारीगरों को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मार्किट मिलेगा। इस वर्ष के अंत तक दस्तकारों, शिल्पकारों का डाटा बैंक तैयार हो जायेगा, अब तक हजारों "हुनर के उस्तादों" का पंजीकरण किया जा चुका है।

श्री नकवी ने कहा कि अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा अभी तक आयोजित "हुनर हाट" बहुत सफल एवं दस्तकारों, शिल्पकारों और परंपरागत कारीगरों के लिए उत्साहवर्धक रहे हैं। "हुनर हाट" के माध्यम से बड़ी संख्या में परंपरागत कारीगरों को रोजगार और रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं।

इस "हुनर हाट" में 16 राज्यों से दस्तकार, शिल्पकार, कारीगर भाग ले रहे हैं। इन दस्तकारों-शिल्पकारों द्वारा तैयार अनेक तरह के पारंपरिक हैंडी क्राफ्ट्स, हैंडलूम एवं दुर्लभ हस्त निर्मित वस्तुएं प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। हैदराबादी मोती, रोट आयरन, लकड़ी पर नक्काशी, हस्त निर्मित गहने, कांथा एम्ब्रोइडरी बैग, हैंडलूम चादर, हाथ की कशीदाकारी, हस्त निर्मित पेंटिंग्स, संगमरमर निर्मित वस्तुएं, लकड़ी एवं चन्दन की कलाकृतियाँ, पारम्परिक प्रिंटेड कपड़े, शीशे का सामान, माहेक्षरी साड़ी इत्यादि प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

इसके अलावा इस "हुनर हाट" में पारम्परिक स्टाल तैयार किये गए हैं और यहाँ आने वाले लोग देश के अलग-अलग हिस्सों के विभिन्न प्रकार के लजीज व्यंजनों का भी आनंद ले सकेंगे जिनमें शामिल हैं- राजस्थानी व्यंजन, मराठी व्यंजन, गुजराती थाली, पंजाबी थाली, मालाबार फूड, मुगलाई व्यंजन, काकोरी कबाब, आंध्र प्रदेश के व्यंजन, हलवा, घेवर, बंगाली मिठाईयां, चोखा-बाटी, केरल एवं विभिन्न राज्यों के परंपरागत आचार, मुरब्बे, चटनी इत्यादि।

इस "हुनर हाट" में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, जम्मू और कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी एवं उत्तराखंड आदि राज्यों से "हुनर के उस्ताद" भाग ले रहे हैं।

अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा इससे पूर्व भी विभिन्न स्थानों पर "हुनर हाट" का आयोजन किया गया है। हाल ही में "हुनर हाट" का आयोजन नई दिल्ली के क्लॉट प्लेस के बाबा खडक सिंह मार्ग पर किया गया था। इस "हुनर हाट" में 26 लाख से भी ज्यादा लोग आए जिनमें देश ही नहीं बल्कि विदेश के लोग भी शामिल थे। लोगों ने दस्तकारों-शिल्पकारों के सामान की बड़े पैमाने पर खरीद ही नहीं की बल्कि इन्हें बड़ी संख्या में देश-विदेश से आर्डर मिले। जिससे दस्तकारों, शिल्पकारों और परंपरागत कारीगरों को उनके हुनर की विरासत को आगे बढ़ने में प्रोत्साहन मिला।

श्री नकवी ने कहा कि आने वाले समय में "हुनर हाट" का आयोजन मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, बंगलुरु, लखनऊ, इलाहाबाद, रांची, गुवाहाटी, जयपुर, भोपाल आदि स्थानों पर भी किया जायेगा जिससे कि देश के हर कोने के दस्तकारों, शिल्पकारों को प्रोत्साहित किया जा सके।

AK

(Release ID: 1503848) Visitor Counter : 25

